॥ शिवजी की आरती ॥

॥ शिवजी की आरती ॥

ॐ जय शिव ओंकारा, भोले हर शिव ओंकारा । ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा
ॐ जय शिव ॥

एकानन चतुरानन पंचानन राजे । हंसानन गरुड़ासन वृषवाहन साजे ॥
ॐ जय शिव ॥

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहे। तीनों रूपनिरखता त्रिभुवन जन मोहे ॥
ॐ जय शिव ॥

अक्षमाला बनमाला मुण्डमाला धारी । चंदन मृगमद सोहै भोले शशिधारी ॥
ॐ जय शिव ॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे । सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे ॥
ॐ जय शिव ॥

कर के मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूल धर्ता । जगकर्ता जगभर्ता जगपालन करता ॥
ॐ जय शिव ॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका। प्रणवाक्षर के मध्ये ये तीनों एका ॥
ॐ जय शिव ॥

vedpurandf.com